अस्पतालों में दवा व जाँचों की नियमित मॉनिटरिंग करें- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने रविवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली

जयपुर, 28 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवा रही है तथा विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पतालों में दवा एवं जांचों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, उन्होंने 108 एंबुलेंस, 104 जननी एक्सप्रेस तथा ममता एक्सप्रेस सेवाओं के सुगम्य संचालन के संबंध में भी

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 108 एम्बुलैंस, 104 जननी एक्सप्रेस तथा ममता एक्सप्रेस सेवाओं के सुगम्य संचालन के संबंध में दिशा-निर्देश दिए।**

दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने विभाग की योजनाओं में अनियमितता एवं दुरूपयोग के विरूद्ध कठोरतम दण्डात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने राजकीय विद्यालयों में चलाए जा रहे नेत्र जांच शिविरों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि संभागवार इन शिविरों का आयोजन किया जाए तथा जरूरतमंद स्कूली छात्र-छात्राओं को चश्मे उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

श्री जगन्नाथ मंदिर के आभूषणों की गणना रथयात्रा से पहले पूरी होगी

पुरी, 27 दिसंबर। श्री जगन्नाथ मंदिर के खजाने की सूची बनाने का कार्य वर्ष 2026 की वार्षिक रथ यात्रा से पहले पूरा होने की संभावना है। मंदिर के मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी ने रविवार को यह जानकारी दी।

पाढ़ी ने पूर्व न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता में शनिवार को हुई उच्च स्तरीय समिति की बैठक के बाद बताया कि खजाने के आभूषणों की गणना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधिकारियों और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की ओर से अनुमोदित जौहरियों की उपस्थिति में तीन चरणों में की जाएगी। बैठक में मंदिर की संपत्ति की नई सूची तैयार करने के लिए रत्न भंडार उप-समिति की ओर से तैयार ग्यारह पन्नों की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर चर्चा की गई। प्रथम चरण में दैनिक अनुष्ठानों में उपयोग होने वाले आभूषणों की गणना की जाएगी, इसके बाद बाहरी रत्न भंडार और फिर भीतरी रत्न भंडार के आभूषणों की गणना की जाएगी।

कॉलेज छात्र ने 12वीं मंजिल से कूद कर आत्महत्या की

मूलतः बिहार का रहने वाला छात्र नकल करते हुए पकड़े जाने पर अवसाद में था

जयपुर, 28 दिसम्बर। बगरु थाना इलाके में नकल करते पकड़े जाने के अवसाद में एक कॉलेज छात्र ने 12वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। कॉलेज छात्र ने आत्महत्या पॉईंट पर जाने के लिए स्कूटी किराए पर ली और कॉलेज से 5 किलोमीटर दूर निर्माणाधीन बिल्डिंग से नीचे छलांग लगा दी। बिल्डिंग में काम कर रहे मजदूरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को सीएचसी अस्पताल के मुर्दाघर में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

मृतक छात्र की शिनाख्त 12वीं मंजिल पर दीवार पर रखे उसके बैग और मोबाइल फोन से हुई। पुलिस ने मामले की जानकारी मृतक छात्र के परिजनों को दी और परिजनों के आने

- **निर्माणाधीन बिल्डिंग की छत पर छात्र के बैग तथा मोबाइल फोन से उसकी पहचान हुई।**

के बाद मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

थानाधिकारी राजेंद्र कुमार गोदारा ने बताया कि प्रियांशु राज (19) पुत्र प्रभात कुमार मूलत: बिहार के पटना का रहने वाला था और 6 महीने पहले ही मणिपाल यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया था। प्रियांशु राज कॉलेज के हॉस्टल में रहकर कम्प्यूटर साइंस फर्स्ट ईयर में पढ़ाई कर रहा था।

फर्स्ट सेमेस्टर में एक सब्जेक्ट में प्रियांशु राज के बैक लग गई थी। शुक्रवार को दोपहर 3 से 6 बजे तक उनकी बैक पेपर की परीक्षा थी। परीक्षा में चीटिंग के लिए प्रियांशु पर्चियां लेकर गया था।.

लेकिन नकल करते समय प्रियांशु पकड़ा गया। टीचर ने उसकी कॉपी और पर्चियां जब्त कर ली थी और इसके बाद उसे दूसरी कॉपी दे दी थी। जिसके बाद से वो अवसाद में था।

बताया जा रहा है कि बैग दीवार पर रखने के बाद प्रियांशु ने 12वीं मंजिल से नीचे छलांग लगाई और प्रथम तल के छज्जे पर आकर गिरा। जिससे तेज धमाके की आवाज हुई। आवाज सुन बिल्डिंग में काम कर रहे मजदूर दौड़कर नीचे पहुंचे तो प्रियांशु अचेत अवस्था में पड़ा मिला।

ताडोबा बफर ज़ोन में बाघ के हमलों से दो मजदूरों की मौत

चंद्रपुर, 28 दिसंबर। महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी टाइगर रिज़र्व के बफर ज़ोन में रविवार को बाघ के अलग-अलग हमलों में दो मजदूरों की मौत हो गई, जिससे स्थानीय निवासियों और मजदूरों में डर फैल गया है।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों मजदूर बांस काटने गए थे। पीड़ितों की पहचान बुदासिंह श्यामलाल मदावी (41) और प्रेम सिंह दुखी उइके (55) के रूप में हुई है जो मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के निवासी हैं। ये मजदूर वन विभाग द्वारा बफर क्षेत्र में बांस काटने के काम के लिए तैनात किए गए थे। वन अधिकारियों के अनुसार, पहली घटना ममल रेंज के बीट नंबर 381 में हुई, जहां मदावी जंगल में काम कर रहे थे तभी उनपर बाघ ने हमला कर दिया और उनकी मौत हो गई। लगभग 45 मिनट बाद, महादावाड़ी रेंज के बीट नंबर 357 में एक अन्य मजदूर उइके पर भी बाघ ने हमला कर दिया और उनकी मौत हो गई। इन घटनाओं के बाद आसपास के क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों और ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। स्थानीय लोगों ने बफर ज़ोन में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। और वन विभाग की ऐसे हादसों को रोकने की क्षमता पर सवाल उठाए हैं। इन मौतों के साथ, इस साल क्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में मारे गए लोगों की संख्या 46 हो गई है। निवासियों ने बाघ के हमलों की बढ़ती घटनाओं से निपटने के लिए वन विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

वन अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच जारी है और प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

प.बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस की इस कार्रवाई से आक्रोशित हुमायूं कबीर ने प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने मुर्शिदाबाद के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को संबोधित करते हुए कहा कि यदि उनकी पत्नी और परिवार के साथ अभद्र व्यवहार किया गया, तो वे बहरमपुर को पूरी तरह ठप कर देंगे और एसपी कार्यालय का घेराव करेंगे। दूसरी तरफ, तृणमूल कांग्रेस ने इस मुद्दे पर हमलावर रुख अपनाया है। पार्टी प्रवक्ता अरूप चक्रवर्ती ने कहा कि यदि कोई पुलिसकर्मी पर हाथ उठाएगा, तो कानून अपना काम जरूर करेगा।

हिंदू भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिमाग का इस्तेमाल पूरी दुनिया के कल्याण के लिए कैसे किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि तकनीक आगे बढ़ेगी। सोशल मीडिया का विस्तार होगा। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस आएगा। सब कुछ आएगा। लेकिन तकनीक के दुष्परिणाम नहीं होंगे। तकनीक मानव जाति की मालिक नहीं बनेगी। मनुष्य ही तकनीक के मालिक बने रहेंगे।

भागवत ने कहा कि मानव बुद्धि तकनीक का इस्तेमाल दुनिया के कल्याण के लिए करेगी, न कि इसके उलट। यह कैसे होगा, इसके लिए हमें खुद अपने जीवन से उदाहरण पेश करना होगा। यह पूरे भारतीय समाज के सामने एक जिम्मेदारी है।

कांग्रेस केवल राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा की आवाज़ है- राहुल

राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पार्टी के 141वें स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी

नयी दिल्ली, 28 दिसंबर। कांग्रेस पार्टी रविवार को अपना 141वां स्थापना दिवस मना रही है। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने इंदिरा भवन में ध्वजारोहण किया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा "कांग्रेस ने हमेशा भारत के लोगों के कल्याण, सशक्तिकरण और समावेशी विकास के लिए काम किया है। हम भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकारों में समान अवसर में दृढ़ विश्वास रखते हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140 साल का गौरवशाली इतिहास, सत्य, अहिंसा, बलिदान, संघर्ष और देशभक्ति की महान गाथा बताता है। कांग्रेस स्थापना दिवस पर हर भारतीय को मेरी शुभकामनाएं। जय हिन्द, जय कांग्रेस।"लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुभकामनाएँ देते हुए अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा "आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हर कांग्रेस जन को हार्दिक शुभकामनाएं। हम उस ऐतिहासिक विरासत और उन महान बलिदानियों को नमन करते हैं जिन्होंने भारत को आज़ादी दिलाई, संविधान की नींव रखी और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय व समानता के मूल्यों को मजबूत किया। कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा की आवाज़ है - जो हर कमजोर, हर वंचित और हर मेहनतकश के साथ खड़ी रही है।" उन्होंने कहा" यह संकल्प है कि नफ़रत, अन्याय और तानाशाही के ख़िलाफ़ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई और अधिक मज़बूती से लड़ेंगे। जय हिंद, जय कांग्रेस।"

- **अध्यक्ष मल्लिकार्जन खड़गे ने इंदिरा भवन में ध्वजारोहण किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का 140 साल का गौरवशाली इतिहास सत्य, अहिंसा, बलिदान, संघर्ष व देशभक्ति की महान गाथा बनाता है।**

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ सबसे ज़्यादा प्रदूषित इलाकों में से एक रहा। गौरतलब है कि केंद्र के वायु गुणवत्ता पैनल ने बुधवार को प्रदूषण के स्तर में थोड़े सुधार के बाद ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के स्टेज चार को हटाने का फैसला किया था, जब एक्यूआई बहुत खराब से खराब श्रेणी में आ गया था।

जयराम रमेश ने अरावली की नई परिभाषा को विनाशकारी बताया

नयी दिल्ली,28 दिसंबर। अरावली पर्वतमाला को पुन: परिभाषित किए जाने को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस संचार विभाग प्रभारी जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से रविवार को सवाल पूछे और दावा किया कि इस कदम से अरावली सहित कई छोटी पहाड़ियां और अन्य भू आकृतियां नष्ट हो जाएंगी।

यादव को रविवार को लिखे पत्र में रमेश ने कहा कि अरावली पहाड़ियों की पुन: परिभाषा को लेकर व्यापक चिंताएं होना स्वाभाविक है, क्योंकि इसके तहत इन्हें 100 मीटर या उससे अधिक की ऊंचाई वाले भू-आकृतियों तक सीमित कर दिया गया है। रमेश ने कहा, क्या यह सच नहीं है कि इस नयी परिभाषा से कई छोटी पहाड़ियां और अन्य भू-आकृतियां नष्ट हो जाएंगी और चार राज्यों में फैली पूरी अरावली पहाड़ियों एवं पर्वतमालाओं का भौगोलिक और पारिस्थितिक स्वरूप समाप्त हो जायेगा

उल्लेखनीय है कि अरावली मामले को लेकर कांग्रेस पार्टी सरकार पर आक्रामक है और इसी मसले पर यूथ कांग्रेस "अरावली बचाओ यात्रा" और एनएसयूआई भी जनवरी के पहले सप्ताह में राजस्थान से दिल्ली तक साइकिल यात्रा निकालेगी।

ज़ैलैंस्की ने अमेरिका यात्रा से पहले कैनडा के प्रधानमंत्री से मुलाकात की

यूक्रेन के राष्ट्रपति फ्लोरिडा में ट्रंप के साथ शांति योजना पर चर्चा करेंगे

ओटावा, 28 दिसंबर। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जैलैंस्की यूक्रेन संकट को खत्म करने के मकसद से अमेरिका की यात्रा पर जाने से पहले कैनडा में रुक कर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मिले हैं।

उन्होंने शनिवार को अमेरिका के फ्लोरिडा शहर जाने के क्रम में कैनडा के हैलिफैक्स शहर में रुक कर यह मुलाकात की।

प्रधानमंत्री की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, कार्नी और जैलैंस्की ने चल रही शांति वार्ता में ताजा घटनाक्रम पर द्विपक्षीय बैठक की। कार्नी ने आश्वस्त किया कि यूक्रेन को कैनडा का पूरा समर्थन है।

सीबीसी न्यूज ने जैलैंस्की के हवाले से लिखा है, "आने वाले दिनों में यूक्रेन और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय स्तर पर और साथ में हमारे इच्छुक साझेदारों के गठबंधन के साथ मिलकर बहुत कुछ किया जा सकता है। यह बहुत जरूरी है कि हम मिलकर और रचनात्मक तरीके से यूक्रेन की रक्षा क्षमता को मजबूत करें। अपनी अग्रिम मोर्चे की स्थितियों को सुदृढ़ करें और बातचीत की प्रक्रिया की प्रभावशीलता को बढ़ाने की यूक्रेन की क्षमता को और सशक्त करें।" उन्होंने कहा, "रूस आनाकानी कर रहा है और समय बर्बाद करने की कोशिश कर रहा है।"

- **कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने यूक्रेन को पूरा समर्थन देने का आश्वाश्न दिया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत जरुरी है कि हम मिलकर यूक्रेन की रक्षा क्षमता को मजबूत करें।**

जैलैंस्की का कैनडा दौरा शुक्रवार को कार्नी से फोन पर बातचीत के बाद हुआ। प्रधानमंत्री की आधिकारिक वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार, कार्नी ने "यूक्रेन के लोगों के लिए न्यायसंगत और स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए जैलैंस्की के निरंतर प्रयासों की सराहना की और सर्दी के मौसम में रूसी आक्रमण का सामना करने के लिए यूक्रेनी लोगों के साहस की प्रशंसा की।"

"डार्क प्रिंस" तारिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनयिकों, खुफिया अधिकारियों और पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बाद में धीरे-धीरे यह पुष्टि की कि हवा भवन अगर मुख्य नहीं, तो समानान्तर शक्ति का केन्द्र था।

बीएनपी -जमात सरकार के गिरने और रहमान के स्व-निर्वासन के बाद, खुफिया और मीडिया रिपोर्ट्स में 'प्रिंस के शासन' की डरावनी तस्वीरें पेश की गईं, जिनमें आरोप थे कि शेख हसीना पर 2004 में हुए ग्रेनेड हमले की योजना हवा भवन में बनाई गई थी।

ये भी रिपोर्ट्स हैं कि हवा भवन असम के उल्फा अलगाववादी समूह को बंदूकें और गोला-बारूद आपूर्ति करने वाले हथियार तस्करी नेटवर्क का मुख्य केन्द्र था।

यह सब 2006 से 2008 के बीच रुक गया, एक अवधि जिसमें भारी हिंसक नागरिक विद्रोह हुआ तथा खालिदा ज़िया की बीएनपी और शेख हसीना की अवामी लीग के बीच चुनाव को लेकर संघर्ष हुआ, जो नवंबर 2006 के मध्य तक आयोजित किया जाना था, यानी बीएनपी-जमात की अवधि समाप्त होने के 90 दिनों के भीतर।

उस समय की अराजकता में एक सैन्य 'केयरटेकर' सरकार भी थी, जिसने कथित तौर पर मौलिक स्वतंत्रताओं को सीमित किया और एक ऐसा राजनीतिक परिदृश्य बनाने की कोशिश की, जिसमें न तो खालिदा ज़िया का और न ही हसीना का स्थान था।

आखिरकार, यह प्रयास विफल हुआ और 2008 में एक चुनाव हुआ, जिसमें अवामी लीग जीती।

इस बीच, रहमान को मई 2007 में केयरटेकर सरकार द्वारा गिरफ्तार किया गया और विभिन्न आरोप लगाए गए, जिनमें भ्रष्टाचार, जबरन वसूली और मनी लॉण्डरिंग शामिल थे। उन्हें 17 महीने तक हिरासत में रखा गया।

इन आरोपों और अन्य आरोपों, जिनमें रहमान को "क्लैप्टोक्रैटिक" राजनीति का प्रतीक बताया गया, को बीएनपी ने सिरे से नकारा है। रहमान बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष हैंऑ।

बीएनपी हमेशा कहती रही है कि ये आरोप राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। उन्हें 2008 में इलाज के लिए लंदन जाने की अनुमति दी गई थी। और 17 साल बाद, बांग्लादेश का डार्क प्रिंस घर लौट आया। उनकी वापसी उनके देश के लिए एक निर्णायक मोड़ पर हो रही है। रहमान को फरवरी 2026 के चुनाव में व्यापक रूप से प्रमुख उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा है। बीएनपी ने पहले ही ज़िया के लिए कागजात एकत्र कर लिए हैं, गाबताली-शाजाहानपुर के लिए, और रहमान अपनी मां की सदर सीट पर चुनाव लड़ेंगे, जिसे उन्होंने 1991 से 2018 तक संभाला था।

रहमान ने खुद को और बीएनपी को लोकतंत्र के रक्षक और चुनी हुई सरकार की वापसी के रूप में प्रस्तुत किया है। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने कहा, "केवल लोकतंत्र ही हमें बचा सकता है... और यह आप हैं, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी का हर सदस्य, जो उस लोकतंत्र की नींव को मजबूत कर सकता है।"

- **2008 में जेल से रिहा हुए, लंदन में इलाज के लिए। अब 17 साल के बाद वे लंदन से लौटे हैं, 12 फरवरी को होने वाले चुनाव में भाग लेने के लिए, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के मुखिया के रूप में।**
- **जनता उमड़ रही थी, उनके स्वागत के लिए। माना जा रहा है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ही चुनाव जीतेगी। क्योंकि, शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनाव लड़ने से वंचित किया जा चुका है। शेख हसीना को मृत्युदंड सुनाया जा चुका है और वे भारत में निर्वासित के रूप में रह रही हैं।**
- **पर, बांग्लादेश में बेचैनी और भय भी है, रहमान के वापस आने से।**

पश्चिम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2029 में भी पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। कांग्रेस अगर आज इस स्थिति में है तो उसकी वजह ये है कि कांग्रेस ने राम मंदिर का विरोध किया। घुसपैठियों को रोकने और तीन तलाक का विरोध किया। कांग्रेस ने 370 का विरोध किया। जो जनता को पसंद है राहुल ने हमेशा उसका विरोध किया। अमित शाह ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए आगे कहा कि राहुल बाबा अभी आप थकिए मत। हार से मत थकिए अभी तो आपको और चुनाव हारना है। अमित शाह ने विपक्ष को लेकर जनता की सोच के साथ तालमेल में कमी बताते हुए कांग्रेस की जमकर आलोचना की। अमित शाह ने जोर देकर राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि बार-बार चुनावों में विकास की सियासत को छोड़कर कांग्रेस कानूनी बारीकियों को प्राथमिकता देने लग जाती है जिसका परिणाम उनके सामने है। अमित शाह ने आगे कहा कि जहां बीजेपी ने विश्वास और संवेदनशील शासन के माध्यम से बार-बार जनादेश हासिल किया है वहीं कांग्रेस उसी जनता के बीच संघर्ष कर रही है क्योंकि वह उन मुद्दों से दूर है जिन्हें जनता का महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त है।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्तरीय अभियानों, वंदे मातरम् के इतिहास, संघ शताब्दी वर्ष के पंच परिवर्तन, महाराणा प्रताप के शौर्य तथा रानी अब्बक्का और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष को प्रभावशाली रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वदेशी पनडुब्बी वाघशीर में यात्रा की

मुर्मू पूर्व में वायुसेना के लड़ाकू विमान राफेल व सुखोई 30 में भी यात्रा कर चुकी हैं

कारवार, 28 दिसंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कर्नाटक के कारवार नौसेना अड्डे से भारतीय नौसेना की स्वदेशी कालवरी श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में यात्रा की। उनकी इस यात्रा को भारत के नौसेना इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

राष्ट्रपति के एक्स हैंडल पर एक आधिकारिक पोस्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी के साथ पश्चिमी तट का दौरा किया।

सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में राष्ट्रपति मुर्मु की पनडुब्बी में उपस्थिति ने स्वदेशीकरण एवं समुद्री सुरक्षा के प्रति राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है। यह पनडुब्बी यात्रा राष्ट्रपति की गोवा, कर्नाटक और झारखंड की चार दिवसीय यात्रा का हिस्सा है। पनडुब्बी शनिवार शाम को गोवा के लिए रवाना हुई थी।

सोमवार को राष्ट्रपति झारखंड के जमशेदपुर में ओल चिकी के शताब्दी समारोह में शामिल होंगी। उसी दिन वे जमशेदपुर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के 15वें दीक्षांत समारोह को भी संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति मंगलवार को झारखंड के गुमला में अंतरराज्यीय जनसंस्कृति समागम समारोह, कार्तिक यात्रा को संबोधित करेंगी।

मुर्मू देश की पहली महिला राष्ट्रपति हैं जिन्होंने पनडुब्बी में यात्रा की है। उनसे पहले तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने पहली बार पनडुब्बी में यात्रा करके सैनिकों में जोश का संचार किया था।

मुर्मू ने जंगी जहाजों, राफेल और सुखोई 30 में भी उड़ान भरी है।

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नौसेना की पनडुब्बी में यात्रा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं। उनसे पहले राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने पहली बार पनडुब्बी में यात्रा कर सैनिकों का मनोबल बढ़ाया था।**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कर्नाटक के कारवार नौसेना अड्डे से स्वदेशी अग्रिम पंक्ति की पनडुब्बी "आईएनएस वाघशीर" में समुद्र के भीतर यात्रा की।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600